

6. किनारा 7. कार्य-विशेष को पूर्ण करना 8. ताल्लुक, संयोग।

**आयोगव** पुं. (तत्.) वैश्य माता और शूद्र पिता से उत्पन्न वर्ण-संकर संतान।

**आयोजक** वि. (तत्.) आयोजन करने वाला दे. आयोजन।

**आयोजन** पुं. (तत्.) 1. किसी कार्य में लगना, नियुक्ति 2. एकत्र करना, संयोजन 3. प्रबंध, व्यवस्था, इंतजाम 4. सम्मेलन, अधिवेशन।

**आयोजन** वि. (तत्.) 1. प्रबंधन 2. किसी कार्य को करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करना 3. प्रयत्न, उद्योग 4. जोड़ना, काम में लगाना।

**आयोजना** स्त्री. (तत्.) 1. (प्रबंधन) किसी कार्य को संपन्न करने की चरणबद्ध व्यवस्थित विधि 2. अभीष्ट उद्देश्य के लिए अपेक्षित साधनों के सीमित होने पर उनका सुविचारित उपयोग अथवा आबंटन तु. योजना (योजना 'स्कीम' है और आयोजना 'प्लान', परंतु 'प्लान'- के लिए कभी-कभी 'योजना' का प्रयोग भी होता है)।

**आयोजित** वि. (तत्.) 1. जिसका आयोजन कर दिया गया हो 2. व्यवस्थित।

**आयोडीन** पुं. (अं.) रसा. आवर्त-सारणी के सातवें वर्ग का अधात्विक रासायनिक तत्व जिसका प्रतीक I, परमाणु क्रमांक 53 है। हैलोजन समूह का यह सदस्य क्रिस्टलीय पदार्थ है। पोषक तत्व के रूप में थाइराइड ग्रंथि के सम्यक् कार्य करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

**आयोधन** पुं. (तत्.) 1. युद्ध, लड़ाई 2. रणभूमि।

**आरंजित** पुं. (तत्.) 1. सम्यक् रूप से रंजित, अच्छी तरह रंगा हुआ 2. ता.अर्थ. बढ़ा-चढ़ा कर।

**आरंजित** वि. (तत्.) अच्छी प्रकार रंगा हुआ सुरंगित, शोभायमान रंगों वाला।

**आरंभ** पुं. (तत्.) 1. किसी कार्य की प्रथमावस्था का संपादन, प्रारंभ, शुरूआत 2. उत्पत्ति 3. अनुष्ठान।

**आरंभक** वि. (तत्.) आरंभ करने वाला, श्रीगणेश करने वाला।

**आरंभण** पुं. (तत्.) 1. आरंभ करना, शुरू करना 2. स्थापना।

**आरंभत** क्रि.वि. (तत्.) 1. आरंभ से, शुरू से 2. नए सिरे से 3. मूल से।

**आरंभतः** क्रि.वि. (तत्.) आरंभ से, मूल से, मूलतः।

**आरंभना** अ.क्रि. (तत्.) कोई कार्य अथवा विषय प्रारंभ होना स.क्रि. कोई कार्य अथवा विषय प्रारंभ करना, शुरू करना।

**आरंभवाद** पुं. (तत्.) न्यायशा. विश्व की सृष्टि परमाणुओं के योग से परमात्मा की इच्छानुसार हुई है इस प्रकार का सिद्धांत।

**आरंभशूर** वि. (तत्.) किसी काम में तत्परता दिखा कर ढीला पड़ने वाला व्यक्ति, हवा बाज़।

**आरंभशूरता** स्त्री. (तत्.) आरंभशूर व्यक्ति, आरंभशूर होने की अवस्था।

**आरंभिक** वि. (तत्.) 1. आरंभ का, पहले का, आरंभ से संबंध रखनेवाला, शुरू का, प्रारंभिक preliminary 2. स्थूल।

**आरंभी** वि. (तत्.) आरंभ करने वाला, शुरूआत करने वाला।

**आर** पुं. (तत्.) 1. नदी आदि का इस ओर का किनारा जैसे- आर-पार 2. सिरा, किनारा 3. खान से निकला लोहा, अशोधित लोहा 4. पीतल 5. कोण, कोना जैसे- सहस्रार चक्र 6. चमड़ा सीने का सूजा स्त्री. (तत्.) 1. बिच्छू, मधुमक्खी, बर आदि का डंक 2. लोहे की पतली कील जो बेल हाँकने हठ, अड़, जिद के पैने में लगी रहती है (देश.) पुं. हठ, अड़, जिद (अर.) स्त्री. 1. घृणा 2. वैर 3. लज्जा क्रि.वि. (देश.) अन्यत्र, किसी और स्थान पर।

**आरकाटी** स्त्री. (तत्.) लोहे की पतली कील, जो बेल हाँकते समय, उसके पैने में लगी रहती है।